ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, गुरूवार 03 अप्रैल 2025
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 2 अंक 16

राजस्थान में पिछले 5 साल में जमकर खरीदी गई प्रोपर्टी:स्टाम्प और रजिस्ट्रेशन फीस से 10,532 करोड़ का रेवेन्यू मिला; डीएलसी बढ़ने से हुआ इजाफा



राजस्थान में कोविड के बाद से प्रोपर्टी में लोगों का रुझान फिर से बढ़ गया है। यही कारण है कि बीते 5 सालों में राज्य सरकार को प्रोपर्टी की रजिस्ट्री करवाने पर लगने वाली स्टाम्प ड्यूटी और पंजीयन शुल्क से होने वाली आय दोगुना हो गई। साल 2024-25 में राज्य सरकार को स्टाम्प ड्यूटी और पंजीयन के पेटे 10 हजार 532 करोड़ रुपए से ज्यादा का रेवेन्यू मिला है, जो निर्धारित लक्ष्य का 88.51 फीसदी है।

पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग से जारी एक रिपोर्ट देखे तो राज्य सरकार ने साल 2024-25 में कुल 11 हजार 900 करोड़ रुपए के रेवेन्यू का लक्ष्य निर्धारित किया था, लेकिन विभाग इस लक्ष्य की तुलना में 10 हजार 532.75 करोड़ रुपए का ही रेवेन्यू जुटा सका।

पांच साल में दोगुना हुआ रेवेन्यू

राज्य सरकार को भले ही इस साल टारगेट के मुकाबले 88.51 फीसदी ही रेवेन्यू मिला हो, लेकिन ये अब तक का सबसे ज्यादा रेवेन्यू है। पिछले 5 साल में इस रजिस्ट्रेशन और स्टाम्प ड्यूटी से मिलने वाला रेवेन्यू भी दोगुना हो गया है। कोविड काल में साल 2020-21 में रजिस्ट्रेशन और स्टाम्प ड्यूटी से सरकार को 5297.27 करोड़ का रेवेन्यू मिला था, लेकिन ये अब बढ़कर 10 हजार 500 करोड़ के पार हो गया।

डीएलसी दरों में बढ़ोतरी का प्रभाव

सत्ता में आने के बाद राज्य की भजनलाल सरकार ने बीते वित्तवर्ष में दो बार डीएलसी की दरों में इजाफा किया। एक्सपर्ट्स मुताबिक सबसे ज्यादा इजाफा जयपुर जिले में हुआ। 1 अप्रैल 2024 से दिसंबर 2024 तक जयपुर में 25 फीसदी तक डीएलसी की दरों में इजाफा हुआ है। पिछले साल अप्रैल में सरकार ने 10 फीसदी और उसके बाद दिसंबर में 5 से लेकर 15 फीसदी तक दरों में इजाफा किया था।

सूत्रों के मुताबिक पूरे राजस्थान में जितनी आय मुद्रांक पंजीयन विभाग को होती है, उसमें 35 से 40 फीसदी आय केवल जयपुर जिले से होती है। डीएलसी दरें बढ़ने का ही नतीजा है कि सरकार का रेवेन्यू इसके पेटे बढ़ा है।

दिल्ली-एनसीआर में 1 साल तक पटाखे बैन:SC ने कहा- सभी एयर प्यूरीफायर नहीं लगा सकते; IIT इंजीनियर बोला- पटाखों से पर्यावरण साफ होता



सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को दिल्ली-एनसीआर में पटाखे बनाने, स्टोर करने और बेचने पर लगे प्रतिबंध को एक साल के लिए बढ़ा दिया। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा- वायु प्रदूषण का स्तर काफी समय से खतरनाक बना हुआ है।

आबादी का एक बड़ा हिस्सा सड़कों पर काम करता है और प्रदूषण से सबसे ज्यादा प्रभावित है। पीठ ने कहा कि हर कोई अपने घर या ऑफिस में एयर प्यूरीफायर नहीं लगा सकता। जब तक कोर्ट इस बात से संतुष्ट नहीं हो जाता कि ग्रीन पटाखों से बहुत कम प्रदूषण होता है, तब तक पिछले आदेशों पर पुनर्विचार करने का सवाल ही नहीं उठता।

सुनवाई के दौरान निजी रूप से पेश इंजीनियर मुकेश सिंह ने कहा कि पटाखे पर पाबंदी का फैसला ठीक नहीं है। पटाखे पर्यावरण साफ करते हैं। उन्होंने दलील दी कि पटाखे पर बैन अंतरराष्ट्रीय षडयंत्र का हिस्सा है।

सुप्रीम कोर्ट ने 12 दिसंबर, 2024 को दिल्ली-एनसीआर में पटाखों पर साल भर के लिए पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया था। कोर्ट पर्यावरणविद एमसी मेहता की 1985 में दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा है। याचिका में दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में प्रदूषण रोकने के लिए निर्देश देने की मांग की गई है। कोर्ट ने इंजीनियर को चेतावनी देकर छोड़ा सुनवाई के दौरान मुकेश सिंह नाम के इंजीनियर निजी रूप में पेश हुए थे। उन्होंने मामले पर अपनी बात रखने की इजाजत मांगी थी। कोर्ट से अनुमति मिलने पर उन्होंने पटाखे पर बैन के फैसले का विरोध किया।

इस पर जस्टिस ओका ने पूछा कि क्या आप एक्सपर्ट हैं। मुकेश ने जवाब दिया- हां, मैं IIT से पढ़ा इंजीनियर हूं। मुकेश ने एमसी मेहता पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा- मेहता देश विरोधी संस्थाओं से फंड लेते हैं और उनके संबंध नक्सलियों से हैं।

इस पर कोर्ट ने फटकार लगाते हुए कहा कि इस व्यक्ति को यह नहीं पता कि एम सी मेहता कौन हैं और उन्होंने पर्यावरण के लिए कितना किया है। हम मुकेश जैन पर जुर्माना लगा सकते हैं, लेकिन इस बार चेतावनी देकर छोड़ रहे हैं।

SC ने कहा था- कठोर आदेश देंगे क्योंकि सरकार को चिंता नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने जनवरी में मामले की सुनवाई करते हुए उत्तर प्रदेश और हरियाणा को NCR इलाकों में पटाखों पर पूर्ण और स्थायी प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए थे। UP सरकार की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ने बताया था कि राज्य ने सभी प्रकार के पटाखों पर बैन लगाकर कोर्ट के आदेश का पालन किया है।

इस पर जस्टिस ओका ने कहा कि कोर्ट ने अस्थायी बैन नहीं बल्कि दिल्ली की तरह स्थायी प्रतिबंध लगाने पर विचार करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने कहा पटाखे बैन करने का कोर्ट का पिछला निर्देश मामले की अगली सुनवाई यानी 24 मार्च तक लागू रहेगा।

सुप्रीम कोर्ट के जज संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करेंगे:जानकारी वेबसाइट पर अपलोड होगी



ज्यूडिशियरी में ट्रांसपेरेंसी और जनता का भरोसा बनाए रखने के लिए सुप्रीम कोर्ट के सभी जजों ने पदभार ग्रहण करने के दौरान ही अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने का फैसला किया है।

1 अप्रैल को हुई फुल कोर्ट मीटिंग में सभी 34 जजों ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया संजीव खन्ना की मौजूदगी में अपनी संपत्ति का खुलासा करने का फैसला लिया है।

जजों ने यह भी कहा कि संपत्तियों से जुड़ी डिटेल सुप्रीम कोर्ट की ऑफिशियल वेबसाइट पर अपलोड की जाएगी। हालांकि वेबसाइट पर संपत्ति की घोषणा स्वैच्छिक होगी।

सुप्रीम कोर्ट में जजों की निर्धारित संख्या 34 है। फिलहाल यहां 33 जज हैं, एक पद खाली है। इनमें से 30 जजों ने अपनी संपत्ति का घोषणा-पत्र कोर्ट में दे दिया है। हालांकि इन्हें सार्वजनिक नहीं किया गया है।

यह फैसला दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर से कैश मिलने के विवाद के बाद लिया गया है। जस्टिस वर्मा के सरकारी बंगले में 14 मार्च को आग लगी थी। फायर सर्विस टीम को वहां अधजले नोट मिले थे।



बजट सत्र 2025: मैं वक्फ बिल के समर्थन में खड़ा हूं... राज्यसभा में बोले भाजपा अध्यक्ष नड्डा



नई दिल्ली: सत्तारूढ़ एनडीए मैराथन बहस के बाद बीती देर रात लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक को स्पष्ट बहुमत से पारित कराने में सफल रही. स्पीकर ओम बिडला ने विधेयक को पारित करने के लिए ध्वनि मत से मतदान करने का आह्वान किया. ओम बिरला ने परिणाम घोषित करते हुए कहा कि विधेयक के पक्ष में 288 वोट पड़े, जबकि इसके विरोध में 232 वोट पड़े. इससे पहले दिन में विपक्ष के इस आरोप के बीच कि यह असंवैधानिक है और मुसलमानों को निशाना बनाता है, सत्तारूढ़ दल ने विधेयक का जोरदार बचाव किया. गृह मंत्री अमित शाह ने हस्तक्षेप करते हुए विपक्ष की आशंकाओं को दूर किया कि सरकार का उनके धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करने का कोई इरादा नहीं है और वह केवल वक्फ संपत्तियों के पारदर्शी प्रशासन के उद्देश्य से प्रेरित है. वक्फ (संशोधन) विधेयक को आज राज्यसभा में चर्चा के लिए पेश किया गया.

बंगाल में 25,753 शिक्षकों की बर्खास्तगी का आदेश बरकरार
सुप्रीम कोर्ट बोला- सिलेक्शन प्रोसेस गलत



24 न्यूज अपडेट

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के स्कूल भर्ती घोटाले से जुड़े कोलकाता हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है।

पश्चिम बंगाल में SSC ने 2016 में 25 हजार शिक्षकों और गैर-शिक्षकों को नियुक्ति की थी। हाईकोर्ट ने इन नियुक्तियों को अवैध करार देते हुए कर्मचारियों को बर्खास्त किया था। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की जांच को सही माना और कहा कि पूरी प्रक्रिया में धोखाधड़ी की गई। इसमें सुधार की कोई गुंजाइश नहीं है।

मामले पर सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बेंच ने सुनवाई की। शीर्ष कोर्ट में हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिकाएं दायर की गई थीं। इसके साथ ही CBI जांच के कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर 4 अप्रैल को सुनवाई करेगी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पश्चिम बंगाल BJP ने गुरुवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग की है।

ममता बोलीं- व्यक्तिगत तौर पर फैसला स्वीकार नहीं

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के कुछ देर बाद ही पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का बयान आया। ममता ने कहा- वह व्यक्तिगत रूप से सुप्रीम कोर्ट के फैसले को स्वीकार नहीं करती हैं, लेकिन उनकी सरकार इसे लागू करेगी और चयन प्रक्रिया को फिर से दोहराएगी। उन्होंने यह भी सवाल किया कि क्या विपक्षी भाजपा और सीपीएम चाहते हैं कि बंगाल की शिक्षा व्यवस्था ध्वस्त हो जाए।

उन्होंने कहा, 'इस देश के नागरिक के रूप में, मेरे पास हर अधिकार है और मैं जजों के प्रति सम्मान के साथ इस फैसले को स्वीकार नहीं कर सकती। मैं मानवीय दृष्टिकोण से अपनी राय व्यक्त कर रही हूं। गलत सूचना न दें या भ्रम पैदा न करें। सरकार फैसले को स्वीकार करती है। स्कूल सेवा आयोग से भर्ती प्रक्रिया को फिर से शुरू करने के लिए कहा है।'

भाजपा बोली- भ्रष्टाचार की पूरी जिम्मेदारी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की

राज्य भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने एक्स पर पोस्ट कर कहा - 'शिक्षक भर्ती में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की पूरी जिम्मेदारी राज्य की विफल मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने यह स्पष्ट कर दिया है कि ममता बनर्जी के शासन में कैसे पश्चिम बंगाल में शिक्षित बेरोजगार युवाओं की योग्यता को पैसे के बदले बेचा गया!'

आज से शुरू हुआ स्टार्टअप महाकुंभ:लेंसकार्ट के फाउंडर बोले- ग्राहकों पर फोकस ने सक्सेस दिलाई; तीन दिन चलेगा इवेंट



24 न्यूज अपडेट

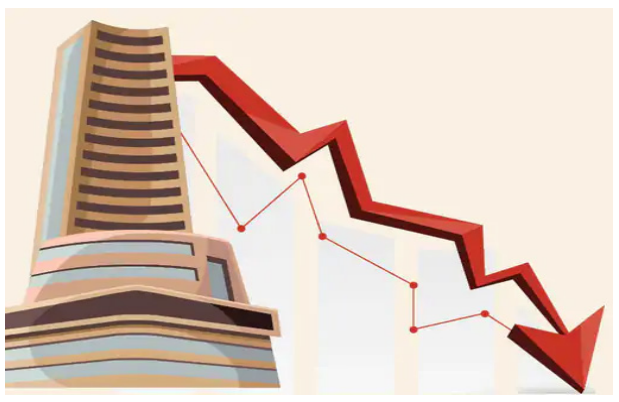
स्टार्टअप महाकुंभ 3 अप्रैल से 5 अप्रैल तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में हो रहा है। ये भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम का सबसे बड़ा इवेंट है। इसमें 3,000 से अधिक स्टार्टअप, 1,000 से ज्यादा निवेशक, और 50 से अधिक देश के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसान ने भारत मंडपम में स्टार्टअप महाकुंभ का उद्घाटन किया।

कस्टमर-सेंट्रिक फोकस: बंसल ने लेंसकार्ट की सफलता का श्रेय ग्राहकों पर फ़ोकस को दिया। लोगों द्वारा खरीदारी न करने के कारणों को गहराई से समझना और उनकी समस्याओं को हल करना जरूरी है। उन्होंने उदाहरण दिया- शिपिंग के दौरान चश्मे को होने वाले नुकसान को रोकने के लिए एक स्पेशल क्लिप डेवलप की थी।

मार्केटिंग कॉस्ट कम करना: बंसल ने कहा कि नए ग्राहक अधिग्रहण पर फोकस करने के बजाय मौजूदा ग्राहकों को प्राथमिकता दें। उन्होंने तर्क दिया कि मौजूदा ग्राहकों को बेहतरीन अनुभव प्रदान करने से लॉन्ग-टर्म एक्विजनशन कॉस्ट कम हो जाती है, क्योंकि संतुष्ट ग्राहक ऑर्गेनिक ग्रोथ को ड्राइव करते हैं।

कस्टमर एक्सपेक्टेशन्स: बंसल ने कहा कि कस्टमर हाई एक्सपेक्टेशन्स के हकदार हैं। बिजनेसेस को इन मानकों को पूरा करने के लिए क्वालिटी और ड्यूरेबिलिटी (जैसे, बेहतर चश्मे के केस) में निवेश करना चाहिए और एक "वाओ फैक्टर" बनाना चाहिए जो वर्ड-ऑफ-माउथ प्रमोशन को प्रोत्साहित करता है।

सेंसेक्स 322 अंक गिरकर 76,295 पर बंद:निफ्टी 82 अंक फिसलकर 23,250 पर आया, TCS और HCL टेक के शेयर 4% टूटे



24 न्यूज अपडेट

शेयर बाजार में आज यानी 3 अप्रैल को गिरावट रही। सेंसेक्स 322 अंक की गिरावट के साथ 76,295 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 82 अंक की गिरावट रही, ये 23,250 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयर में से 18 में गिरावट और 12 में तेजी रही। आज IT, ऑटो और बैंकिंग शेयर्स में ज्यादा गिरावट रही। TCS, HCL टेक और टेक महिंद्रा के शेयर करीब 4% टूटे। वहीं पावर और फार्मा के शेयर में बढ़त रही।

एशियाई मार्केट में रही गिरावट

एशियाई बाजारों में जापान के निक्केई में 2.77%, चीन के शंघाई कम्पोजिट में 0.24% और हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग इंडेक्स में 1.52% की गिरावट रही।

2 अप्रैल को अमेरिका का डाओ जोंस 0.56% बढ़कर 42,225 पर बंद हुआ। नैस्डेक कंपोजिट में 0.87% की तेजी रही, जबकि S&P 500 इंडेक्स 0.67% चढ़कर बंद हुआ।

2 अप्रैल को विदेशी निवेशकों (FIIs) ने 1,538 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। वहीं, घरेलू निवेशकों (DIIs) ने 2,808 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

सोने ने ऑलटाइम हाई बनाया, चांदी में गिरावट:91,205 पर पहुंचा सोना, चांदी 3,579 गिरकर 95,957 प्रति किलो पर आ गई



24 न्यूज अपडेट

सोने ने आज यानी 3 अप्रैल को 91,205 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया। हालांकि इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार बाद में सोना 651 रुपए गिरकर 90,345 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। इससे पहले सोना 90,996 रुपए पर था।

वहीं चांदी के दाम में आज गिरावट रही। एक किलो चांदी की कीमत 3,579 रुपए गिरकर 95,957 रुपए प्रति किलो पर आ गई है। इससे पहले चांदी का भाव 99,536 रुपए प्रति किलो पर था। वहीं 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

संपादकीय : ध्वंस का धरातल

अपराध पर नकेल कसने के लिए कथित अपराधियों की संपत्ति पर बुलडोजर चलाने की परिपाटी-सी चल पड़ी है। यह सिलसिला उत्तर प्रदेश में शुरू हुआ था और अब इसे कई राज्य सरकारों ने अपना लिया है। कहीं भी दो समुदायों के बीच कोई फसाद होता है, कोई बड़ी वारदात होती है, तो प्रशासन कुछ लोगों को चिह्नित कर उनके घर गिरा डालता है। जब यह सिलसिला अतार्किक और मनमाने ढंग से तेजी पकड़ने लगा तो इस पर रोक लगाने के लिए अदालतों के दरवाजे खटखटाए जाने लगे। इस पर करीब पांच महीने पहले सर्वोच्च न्यायालय ने सख्त निर्देश जारी करते हुए मकानों दुकानों आदि के ध्वस्तीकरण पर रोक लगा दी। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट कहा कि किसी के आरोपी या दोषी ठहरा दिए जाने से उसका मकान ढहा देने का अधिकार नहीं मिल जाता । प्रशासन को उचित कारण बताना होगा कि कोई भी मकान गिराना क्यों जरूरी है। इसके लिए दूसरे पक्ष की दलीलें भी सुनी जानी चाहिए। उसे अपना जवाब देने के लिए उचित समय दिया जाना चाहिए। अगर कोई अधिकारी इन निर्देशों का पालन नहीं करेगा, तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। मगर इसके बावजूद, मकान-दुकान आदि उहाने का सिलसिला रुका नहीं है। पिछले दिनों उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान में ऐसी ही मनमानी करते हुए कुछ मकान ढहा दिए गए। अब सर्वोच्च न्यायालय ने करीब चार वर्ष पहले प्रयागराज में तोड़े गए मकानों पर कड़ा रुख अख्तियार करते हुए कहा है कि पीड़ितों को दस-दस लाख रुपए मुआवजा दिया जाए। अदालत ने कहा कि इस मामले ने उसकी अंतरात्मा को झकझोर दिया है। दरअसल, प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने कुछ लोगों के मकान इस शक के आधार पर तोड़ डाले थे कि वे एक कुख्यात अपराधी की जमीन पर बने हुए हैं उन मकानों में रहने वालों को एक दिन पहले नोटिस थमाया गया और अगले दिन मकान तोड़ दिए गए। अदालत ने सवाल किया कि आखिर इस देश में लोगों को आश्रय का अधिकार है या नहीं। जब भी इस तरह मकान- दुकान आदि गिराने के मामले सामने आते हैं, तो सरकारों की दलील होती है कि वे अवैध रूप से बनाए गए थे। मगर यह समझ से परे है कि अवैध रूप से बनाए गए मकानों पर तभी विकास प्राधिकरणों और नगर निगम की निगाह क्यों जाती है, जब कोई आपराधिक घटना घट जाती है। इसके पहले ऐसी जगहों की निशानदेही क्यों नहीं हो पाती। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि अपराध पर नकेल कसना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। मगर इसके लिए तय प्रक्रिया को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता । अपराध करने वाले का अपराध तब तक सिद्ध नहीं माना जा सकता, जब तक कि अदालत ऐसा फैसला न सुना दे। कोई भी सरकार खुद किसी को अपराधी सिद्ध करके उसके घर पर बुलडोजर नहीं चढ़ा सकती। उस मकान में उसके परिजन भी रहते हैं, जो निर्दोष होते हैं। आखिर किसी के अपराध की सजा दूसरे लोगों को बेघर करके क्यों दी जानी चाहिए। अवैध रूप से या कब्जा करके बनाए गए मकानों को ध्वस्त करने के भी नियम कायदे हैं, इसीलिए इस तरह की मनमानी कार्रवाइयों को सर्वोच्च न्यायालय ने असंवैधानिक और अमानवीय करार दिया है। विचित्र है कि जिन मामलों को सरकारों को अपने विवेक से, लोगों के मानवाधिकारों का ध्यान रखते हुए सुलझाना चाहिए, उनमें वे खुद कठघरे में खड़ी हो रही हैं।

वन का दोहन

विकास की कीमत जल, जंगल और जमीन को चुकानी पड़ रही है। उद्योगीकरण और शहरीकरण का प्रतिकूल असर जंगलों पर पड़ा है। हजारों हेक्टेयर वन भूमि पर लगे वृक्षों की कटाई हो जाती है, लेकिन इसके खिलाफ कभी सख्त कार्रवाई नहीं होती । उत्तराखंड में तो पहाड़ से लेकर मैदानी इलाकों तक के जंगल अतिक्रमण की जद में हैं। वन क्षेत्र में अतिक्रमण का कुछ राज्यों में कड़ा विरोध होता रहा है। बावजूद इसके, अगर देश भर के जंगलों में चुपचाप अतिक्रमण होता चला गया, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है सिर्फ जंगलों के ठेकेदार और खनन माफिया दोषी नहीं हैं। बड़े उद्योगों को भी खुली छूट मिली और वे प्राकृतिक संपदा के दोहन के लिए वन क्षेत्रों पर कब्जा करते चले गए। कहीं-कहीं जंगलों को काट कर सड़कें बनाई गईं। यही वजह है कि राज्यों की ओर से पिछले दिनों केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय को सौंपे गए आंकड़े डराते हैं। इनके मुताबिक पच्चीस राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में तेरह हजार वर्ग किलोमीटर से अधिक वन क्षेत्र पर अतिक्रमण हो चुका है। जबकि अभी दस राज्यों ने अपने यहां हुए अतिक्रमण की जानकारी नहीं दी है। सवाल है कि अगर दिल्ली, गोवा और सिक्किम के कुल भौगोलिक क्षेत्र से अधिक देश की वन भूमि पर कब्जा हो गया, इसे रोका क्यों नहीं जा सका ? कोयला और खनिजों के खनन के लिए जंगलों की प्रायः कटाई होती रही है। वहीं कृषि और अन्य गतिविधियों के लिए वन क्षेत्रों में अतिक्रमण कोई छिपी बात नहीं है। वनों के दोहन और उनमें औद्योगिक गतिविधियां इसलिए तेजी से बड़ी हैं कि पर्यावरण मंजूरी से संबंधित कानूनों को बहुत कमजोर बना दिया गया है। अब इसे गंभीरता से लेने की बहुत जरूरत है, क्योंकि इससे न केवल वन्य जीवन संकट में है, बल्कि इसका मानव जीवन और पर्यावरण पर भी दूरगामी प्रभाव पड़ने लगा है। वन संबंधी कानून होने के बावजूद अगर मध्यप्रदेश में सर्वाधिक अतिक्रमण हुआ है, तो इस पर सोचने का ही नहीं, कदम उठाने का समय है। समय रहते कार्रवाई हो, तो वन भूमि को बचाया जा सकता है। आने वाली पीढ़ियों के लिए हम प्राकृतिक संपदा बचा पाएं, तो यह बड़ी बात होगी ।

झील में कूदा था युवक, तीसरे दिन मिला शव:मरने से पहले चाचा को कॉल कर बोला था- मरने वाला हूं; मुंबई में हैंडीक्रॉफ्ट दुकान चलाता था



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर की फतहसागर झील में चलती बोट से कूदकर सुसाइड करने वाले युवक का शव तीसरे दिन गुरुवार को मिल गया। शव पानी के अंदर झाड़ियों में फंसा था, जिसे सिविल डिफेंस की टीम ने 36 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। मृतक की पहचान 25 साल के जालोर के सायला निवासी दिनेश पुरोहित के रूप में हुई है।

सिविल डिफेंस टीम के कैलाश मेनारिया ने बताया- मृतक ने सुसाइड करने से पहले मंगलवार शाम करीब 5 बजे अपने चाचा को आखिरी बार कॉल किया था। उसने बताया कि उसने जहर पी लिया है और वह अब मरने वाला है। चाचा ने उससे करंट लोकेशन के बारे में पूछा तो कहा था कि मरने के बाद पता लग जाएगा। इसके बाद कॉल काट दिया।

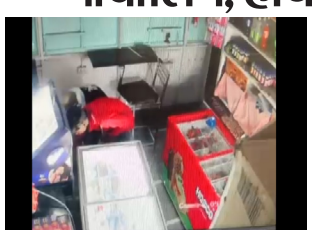
चाचा उसके मोबाइल पर कई बार कॉल लगाते रहे लेकिन कॉल नहीं लगा। सिविल डिफेंस की टीम ने शव को अंबामाता थाना पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस ने शव एमबी हॉस्पिटल मॉर्च्युरी में रखवाया। रेस्क्यू में गोताखोर विजय नकवाल, भवानी शंकर वाल्मीकि, विपुल चौधरी, गोताखोर विष्णु राठौड़, मनोज, रवि शर्मा, मुकेश सेन की भूमिका रही।

चलती बोट से झील में कूदा था युवक

घटना मंगलवार शाम करीब 5 बजे की है। दिनेश पुरोहित बोट में सवार था। उस बोट में अन्य टूरिस्ट भी थे। बोट जब झील के बीचोंबीच पहुंची। तब उसने अपना मोबाइल बोट में पटका और चलती बोट से ही झील में छलांग लगा ली। सिविल डिफेंस की टीम ने मंगलवार देर रात तक शव तलाश लेकिन सफलता नहीं मिली। दूसरे दिन बुधवार को रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। तब भी शव नहीं मिला था।

मृतक दिनेश पुरोहित और उनका परिवार कई सालों से मुंबई में रहता है। वहां दिनेश हैंडीक्रॉफ्ट की दुकान करता है। अंबामाता थाने के एएसआई आसिफ अली ने बताया कि मृतक ने सुसाइड क्यों और किस कारण से किया है। इस बारे में जांच की जा रही है।

गुलाबबाग टॉय ट्रेन ऑफिस में चोरी, सीसीटीवी में कैद हुए नाबालिग, हाथ में सरिये, 10 हजार की नकदी चुराई



24 न्यूज अपडेट

गुलाबबाग स्थित टॉय ट्रेन के ऑफिस में चोरी का मामला सामने आया है। संचालक के अनुसार, ऑफिस से करीब 10 हजार रुपये की नकदी चोरी हुई है। घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई, जिसमें कुछ नाबालिग संदिग्ध दिखाई दे रहे हैं। सीसीटीवी फुटेज में चार शातिर बच्चे आते हुए दिखाई दे रहे हैं। ये बच्चे फूड स्टॉल का ताला तोड़ कर अंदर जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। अंदर काउंटर से आइसक्रीम चुराने के बाद बाहर आते दिख रहे है। इसके बाद ऑफिस के आसपास लोहे के सरिये हाथ में लेकर सामान की तलाशी लेते हुए दिख रहे हैं। सरियों से दराज को तोड़ते हुए दिख रहे हैं। इसके बाद एक बड़ा सा बॉक्स लेकर बाहर निकाल कर साथ ले जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। मामले की जानकारी मिलते ही संचालक ने तुरंत थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मारवाड़ जं.-खामली घाट- मारवाड़ जं. वैली क्वीन मीटर गेज हैरिटेज रेलसेवा की संचालन अवधि में विस्तार



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा मारवाड़ जं.-खामली घाट- मारवाड़ जं. वैली क्वीन मीटर गेज हैरिटेज रेलसेवा की संचालन अवधि में दिनांक 03.04.25 से 30.09.25 तक विस्तार किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी शशि किरण के अनुसार गाडी संख्या 00961, मारवाड़ जं.-खामली घाट वैली क्वीन मीटरगेज हैरिटेज रेलसेवा की संचालन अवधि में दिनांक 03.04.25 से 30.09.25 तक विस्तार किया जा रहा है। यह रेलसेवा प्रत्येक सोमवार, बुधवार, गुरूवार, शनिवार व रविवार को मारवाड़ जं. से निर्धारित संचालन समयसारणी के अनुसार प्रस्थान कर खामली घाट पहुँचेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 00962, खामली घाट-मारवाड जं. वैली क्वीन मीटर गेज हैरिटेज रेलसेवा की संचालन अवधि में दिनांक 03.04.25 से 30.09.25 तक विस्तार किया जा रहा है। यह रेलसेवा प्रत्येक सोमवार, बुधवार, गुरूवार, शनिवार व रविवार को खामली घाट से निर्धारित संचालन समयसारणी के अनुसार प्रस्थान कर मारवाड जं. पहुँचेगी। इस रेलसेवा में 01 एसी एक्जीक्यूटीव, 02 मीटर गेज डिब्बे व 01 पावरकार होंगे।

गिवअप अभियानः खाद्य सुरक्षा सूची से 20 हजार से अधिक लोगों ने हटवाया नाम, स्वेच्छा से नाम हटवाने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 3 अप्रैल। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अभियान के तहत पात्र लोगों को लाभ दिलाने तथा अपात्रों के नाम हटाने को लेकर चल रहे गिव-अप अभियान का व्यापक असर देखने को मिल रहा है। उदयपुर जिले में अब तक 20 हजार से अधिक लोग स्वैच्छिक रूप से खाद्य सुरक्षा सूची से अपना नाम हटवा चुके हैं। स्वेच्छा से नाम हटवाने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल निर्धारित है। इसके पश्चात सर्वे कराकर अपात्र लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। जिला रसद अधिकारी मनीष भटनागर ने बताया कि खाद्य मंत्री श्री सुमित गोदारा के निर्देशानुसार गिव अप अभियान चलाया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के सम्बन्ध में निर्धारित मापदण्ड अधिसूचना के अन्तर्गत निष्कासन श्रेणी तय की गई है। इसमें ऐसे परिवार जिसमें कोई आयकर दाता हो, ऐसे परिवार जिसका कोई सदस्य सरकारी/अर्द्ध सरकारी/स्वायाशासी संस्थाओं में कर्मचारी/अधिकारी हो, एक लाख से अधिक वार्षिक पारिवारिक आय हो अथवा परिवार में किसी सदस्य के पास चार पहिया वाहन हो (ट्रेक्टर आदि आजीविकापार्जन में प्रयुक्त वाहन को छोड़कर) को निष्कासन श्रेणी में रखा गया है। निष्कासन श्रेणी के अन्तर्गत सम्मिलित उपभोक्ता अपना नाम स्वेच्छा से हटवाने के लिए 30 अप्रैल तक आवेदन कर सकते हैं। साथ ही खाद्य विभाग की वेबसाइट फूड डॉट राजस्थान डॉट जीओवी डॉट इन पर आवेदन कर अपना नाम स्वयं भी हटवा सकते हैं। इस अवधि के बाद उक्त श्रेणियों के अपात्र परिवार के चिन्हीकरण के लिए सर्वे करवाया जाएगा। सर्वे में अपात्र पाये जाने पर परिवारों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाएगी। श्री भटनागर ने बताया कि उदयपुर जिले में जिला रसद कार्यालय प्रथम अंतर्गत 3395 आवेदन पत्रों में शामिल 13255 सदस्यों तथा जिला रसद कार्यालय द्वितीय अंतर्गत 1649 आवेदन पत्रों में शामिल कुल 6896 सदस्यों के नाम हटाए गए हैं। खाद्य विभाग की वेबसाइट पर डीएसओ प्रथम में 323 तथा द्वितीय 1025 लोगों ने ऑनलाइन आवेदन किया है।

अब तक 135 को नोटिस

श्री भटनागर ने बताया कि विभाग की ओर से स्वयं के स्तर पर सर्वे कराकर अपात्र लोगों को चिन्हित किया जा रहा है। इसमें अब तक 135 अपात्र व्यक्तियों को नोटिस जारी कर वसूली करने के सम्बन्ध एवं नियमानुसार कार्यवाही की चेतावनी दी गई है।

पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने नशे के खिलाफ शुरू की ऐतिहासिक पदयात्रा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर. पंजाब के राज्यपाल और राजस्थान के पूर्व गृहमंत्री गुलाबचंद कटारिया ने गुरुवार को नशे के खिलाफ एक मजबूत संदेश देने के उद्देश्य से छह दिवसीय पदयात्रा की शुरुआत की। यह यात्रा श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर, डेरा बाबा नानक से प्रारंभ हुई और 8 अप्रैल को अमृतसर के जलियांवाला बाग में संपन्न होगी। इस पहल का उद्देश्य पंजाब के सीमावर्ती जिलों में नशे की गंभीर समस्या को लेकर जागरूकता फैलाना और जनता को इस सामाजिक बुराई के खिलाफ लामबंद करना है।

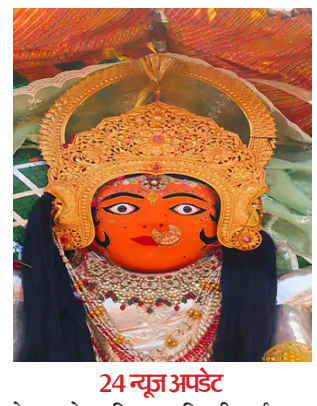
करतारपुर साहिब कॉरिडोर से नशा विरोधी पदयात्रा का नेतृत्व करते हुए राज्यपाल कटारिया ने पंजाब के लोगों से नशे को जड़ से मिटाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वीरों की इस धरती पर नशे के लिए कोई स्थान नहीं है और इस बुराई के खिलाफ सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियानों में समाज की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। इस अवसर पर उन्होंने गुरुद्वारा श्री दरबार साहिब में मत्था टेका और आशीर्वाद लिया।

राज्यपाल कटारिया ने अपने संबोधन में कहा, "नशे की समस्या से निपटने के लिए समाज के हर वर्ग—शिक्षाविदों, धार्मिक नेताओं, बुद्धिजीवियों और आम नागरिकों—की एकजुटता आवश्यक है। जब तक सामूहिक प्रयास नहीं होंगे, इस बुराई का समूल नाश करना कठिन रहेगा।" उन्होंने इस पदयात्रा को एक जन आंदोलन में बदलने का आह्वान किया और सभी राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों से इसमें सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की। यह पदयात्रा गुरदासपुर और अमृतसर जिलों से होकर गुजरेगी, जिसके दौरान राज्यपाल प्रतिदिन सुबह 7 बजे विभिन्न गांवों और कस्बों में जाकर लोगों से संवाद करेंगे और उन्हें नशे के खिलाफ संघर्ष में शामिल होने के लिए प्रेरित करेंगे। यात्रा का पहला दिन डेरा बाबा नानक के सेंट फ्रांसिस कॉन्वेंट स्कूल में समाप्त हुआ। अगले दिन, 4 अप्रैल को यात्रा बडेशा मैरिज पैलेस से प्रारंभ होकर फतेहगढ़ चुरियां के एसडी कॉलेज फॉर गर्ल्स तक पहुंचेगी।

राज्यपाल कटारिया ने इस अभियान के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, सांसदों, विधायकों, विश्वविद्यालयों के कुलपतियों और गैर-सरकारी संगठनों को विशेष रूप से 8 अप्रैल को जलियांवाला बाग में आयोजित समापन समारोह में शामिल होने का आमंत्रण दिया है। उन्होंने कहा, "नशे की समस्या केवल पंजाब तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे देश के लिए एक गंभीर चुनौती है। हमें अपनी भावी पीढ़ियों और समाज को बचाने के लिए मिलकर कार्य करना होगा।"

इस पदयात्रा को पंजाब सरकार के 'युद्ध नशे विरुद्ध' अभियान के समर्थन में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। राज्यपाल कटारिया ने बताया कि अपनी आठ महीने की अवधि में उन्होंने पंजाब में नशे की गंभीर स्थिति को नजदीक से देखा है और इसे खत्म करने के लिए ठोस कदम उठाने का संकल्प लिया है। इस पहल को लेकर जनता और सामाजिक संगठनों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है, और उम्मीद जताई जा रही है कि यह अभियान नशा मुक्त पंजाब की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

ईडाणामाता को सोने की परत चढ़ा चांदी का मुकुट, चढ़ायाःचैत्र नवरात्र में हर दिन हो रहे हवन-महायज्ञ



24 न्यूज अपडेट

मेवल के प्रसिद्ध शक्तिपीठ ईडाणा माताजी में एक भक्त ने सोने की परत चढ़ी चांदी का मुकुट चढ़ाया है। इन दिनों मंदिर में भक्तों की रेलमपेल लगी हुई है। ईडाणा माता ट्रस्ट अध्यक्ष गोपाल सिंह राठौड़ ने बताया कि उदयपुर के एक भक्त ने यह मुकुट भेंट किया। मुकुट में 1.900 ग्राम चांदी है। उस पर 37 ग्राम सोने की परत चढ़ी हुई है।

ट्रस्ट की ओर से दांतीसर हाल उदयपुर के खेमपुरा निवासी भरत पुत्र शंकरलाल लौहार परिवार का स्वागत किया गया। राठौड़ ने बताया कि चैत्र नवरात्र के अवसर पर मंदिर परिसर की हवनशाला में प्रतिदिन हवन महायज्ञ हो रहे हैं। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पंडित पूजा कर रहे हैं। दुर्गा स्वरूप मां ईडाणा को आहुतियां दी जा रही हैं। हवन में ऋतु फल और सूखे मेवे मिश्रित किए जा रहे हैं। ट्रस्ट के किशोर पांडे ने बताया कि आगामी दिनों तक रात 10 बजे से सुबह 5 बजे तक ईडाणा माताजी के दर्शन बंद रहेंगे।

उदयपुर में 8 से 10 मई तक श्री श्याम महोत्सव, पहली बार निशान यात्रा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 4 अप्रैल। श्री खाटू श्याम मित्र मण्डल ट्रस्ट उदयपुर द्वारा 8 से 10 मई तक फतेह स्कूल प्रांगण में आयोजित श्री श्याम महोत्सव की प्रचार सामग्री का विमोचन गुरुवार को बोहरा गणेशजी मंदिर में प्रथम पूज्य गजानंद के समक्ष किया गया। ट्रस्टियों की मौजूदगी में इस संध्या की प्रचार सामग्री बैनर, स्टीकर, फोल्डर, आमंत्रण पत्र आदि सामग्री का विमोचन किया गया। प्रथम पूज्य पार्वती नंदन श्री बोहरा गणेशजी के मंदिर में पूर्ण विधि विधान से नेकचार कर उन्हें प्रथम मेहमान के रूप में ''कीर्तन की रात'' में पधारने हेतु न्योता गया। मंडल के राजेश गोयल एवं सुरेश अग्रवाल ने बताया कि इस विराट एवं अखिल भारतीय खाटू श्याम भजन संध्या को सफल एवं भव्यतम रूप देने हेतु देश भर के श्याम प्रेमियों को ई-मेल, ई-कार्ड, वॉट्सअप, एस.एम.एस., इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिन्ट मीडिया के साथ व्यक्तिगत सम्पर्क कर आमंत्रित किया जा रहा है। इस क्रम में ट्रस्टियों द्वारा सर्वप्रथम ''खाटू श्याम नरेश मंदिर, खाटू धाम नगर, मंदसौर के श्री पशुपतिनाथ, श्री सांवरिया सेठ, चारभुजा नाथ, एकलिंग नाथ जी, श्रीनाथ जी, श्री केशरियाजी, माँ त्रिपुरा सुन्दरी, माँ अम्बामाता, सगसजी बावजी, आवरी माता, द्वारकाधीश आदि मेवाड के सभी देवी देवताओं एवं प्रसिद्ध तीर्थ स्थानों पर भी न्यौता दिया गया। उल्लेखनीय है कि सर्व साधारण के लिये यह संध्या पूर्णतया निःशुल्क हैं। प्रवेश हेतु किसी भी प्रकार के आमंत्रण या निमंत्रण पत्र की आवश्यकता नहीं है।

पहाड़ी पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर में पहुंच रहे श्रद्धालु, 45 मिनट की जगह अब 5 मिनट का हुआ सफर



24 न्यूज अपडेट

जयपुर : चैत्र नवरात्र को लेकर छोटी काशी जयपुर के प्राचीन माता मंदिरों में श्रद्धालु की भीड़ देखने को मिल रही है. जयपुर के प्रसिद्ध खोले के हनुमान जी मंदिर परिसर में पहाड़ी की चोटी पर स्थित प्राचीन माता वैष्णो देवी मंदिर में दूर-दूर से श्रद्धालु अपनी अपनी मनोकामनाएं लिए माता के दर्शन करने पहुंच रहे हैं. नवरात्रों में माता वैष्णो देवी मंदिर में प्रतिदिन दुर्गा सप्तशती के पाठ और हवन किया जा रहा है. माता के मंदिर तक पहुंचने में रोपवे की सुविधा से श्रद्धालुओं को काफी सहूलियत मिली है. इस यात्रा के दौरान प्रकृति का अद्भुत दृश्य श्रद्धालुओं और पर्यटकों को रोमांचित कर रहा है.

45 मिनट की जगह 5 मिनट का समय : श्री नरवर आश्रम सेवा समिति खोल के हनुमान जी प्रन्यास के महामंत्री बृजमोहन शर्मा के मुताबिक खोल के हनुमान जी मंदिर परिसर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर में नवरात्रों के दौरान काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं. रोपवे की शुरुआत होने से भक्तों और पर्यटकों को काफी सुविधा मिल रही है. श्रद्धालु सैकड़ों सीढ़ियां चढ़कर खोले के हनुमान जी मंदिर की पहाड़ियों पर बने माता वैष्णो देवी मंदिर के दर्शन करते हैं. सीढ़ियों से करीब 45 मिनट का समय लगता है, लेकिन अब रोपवे के जरिए केवल 5 मिनट में माता वैष्णो देवी मंदिर पहुंच सकते हैं.

शहर और जंगल के विहंगम दृश्य : मंदिर पुजारी कमलेश शर्मा ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं. माता के दरबार में श्रद्धालुओं के लिए छाया की व्यवस्था भी की गई है. नवरात्रों में प्रतिदिन माता का विशेष श्रृंगार किया जाता है. 10 महाविद्याओं और 9 दुर्गाओं की प्रतिदिन पूजा अर्चना की जाती है. अल सुबह से ही भक्त माता के दरबार में हाजिरी लगाने पहुंच रहे हैं. रोपवे के जनरल मैनेजर महेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए खोले के हनुमान जी मंदिर स्थित अन्नपूर्णा माता मंदिर से वैष्णो देवी माता मंदिर तक रोपवे बनाया गया है. नवरात्रों में काफी संख्या में श्रद्धालु माता वैष्णो देवी के मंदिर पहुंच रहे हैं. श्रद्धालु और पर्यटकों को शहर और जंगल के विहंगम दृश्य देखने को मिलता है.

यह है किराया : उन्होंने बताया कि रोपवे में ऑटोमेटिक और पैनोरमिक केबिन बनाए गए हैं, जहां से चारों तरफ का सुंदर नजारा देखने को मिलता है. रोपवे को 1 मिनट के लिए बीच रास्ते में रोका जाता है, ताकि लोग आसपास का अद्भुत नजारा देख सकें और इसे अपने कैमरे में भी कैद कर सकें. रोपवे में बैठकर ऊपर आने-जाने का प्रति व्यक्ति किराया 189 रुपए रखा गया है, लेकिन नवरात्रों में जयपुर वासियों को विशेष छूट दी जा रही है. जयपुर के लोगों के लिए किराया 151 रुपए किया गया है. किराये में दिव्यांगों, बच्चो और वृद्ध जनों को छूट दी जाती है.



अजमेर में महिला को आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला:सास, देवर और दो देवरानियों पर आरोप, पिता की शिकायत पर मामला दर्ज



24 न्यूज अपडेट

अजमेर में एक महिला को आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला सामने आया है। मामले में पीड़ित पिता ने बेटी की सास, देवर और 2 देवरानी पर परेशान करने का आरोप लगाते हुए गंज थाने में शिकायत दी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गंज थाना पुलिस के अनुसार- मध्यप्रदेश निवासी मोहम्मद हनीफ ने थाने पर मुकदमा दर्ज करवाया है। शिकायत देकर बताया कि उसके बेटी शबनम की 10 महीने पहले अजमेर निवासी नासिर हुसैन से शादी हुई थी। नासिर पहले से शादीशुदा था इसके पहले पत्नी से दो बच्चे भी थे।

उनकी बेटी की सास बनो, देवर रोशन, देवरानी काली और नासिर का उसकी बेटी के साथ व्यवहार अच्छा नहीं था। आए दिन उसे परेशान किया जा रहा था। पिता ने बताया कि लेकिन उसका दामाद का व्यवहार अच्छा था।

सास,देवरानी, देवर से परेशान होकर बेटी ने आत्महत्या की है। इससे पहले भी बेटी ने हाथ की नस काटने की कोशिश की थी। पिता की शिकायत पर गंज थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले में DYSP लक्ष्मण राम की ओर से जांच की जा रही है।

जोधपुर में पत्नी के प्रेमी के काटे कान:गुस्साए पति ने फायरिंग की, गोली पेट के आर-पार निकली



24 न्यूज अपडेट

जोधपुर में पेप्सी फैक्ट्री के बाहर पति ने पत्नी के प्रेमी पर हमला कर दिया। घायल प्रेमी का मथुरा दास माथुर हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। घटना बोरानाडा थाना क्षेत्र की है। जानकारी अनुसार- घायल युवक रमेश लोल बिलाड़ा के लांबा का रहने वाला है। उसने बताया- वह ट्रक चलाने का काम करता है। बुधवार देर रात 2 बजे के आस-पास ट्रक में बोरानाडा की पेप्सी फैक्ट्री में शक्कर लेकर पहुंचा था। इस दौरान प्रेमसुख ने उस पर फायर कर दिया। गोली उसके पेट के आर-पार निकल गई। इसके बाद ऑल्टो कार में डालकर अपने साथ ले गए। रास्ते में उसके कान काटकर उसे छोड़ दिया। हमला करने वाला प्रेमसुख विश्नोई भी उसके गांव का ही है।

बच्चों की शिक्षा पर कौन कितना कर रहा खर्च, आंकड़े जुटाएगा एनएसएस, इस आधार पर शिक्षा विभाग बनाएगा पॉलिसी



24 न्यूज अपडेट

जयपुरः राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से नेशनल सैंपल सर्वे (एनएसएस) के 80वें चरण के लिए गुरुवार को जयपुर में अखिल भारतीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस कार्यशाला में देशभर से आए प्रशिक्षकों को नेशनल सैंपल सर्वे के तहत आंकड़े इकठ्ठा करने के बारे में ट्रैनिंग दी गई. शिक्षा पर व्यापक मॉड्यूलर सर्वेक्षण को लेकर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया. इस कार्यशाला में प्रशिक्षकों को बताया गया कि नेशनल सैंपल सर्वे के लिए बेसिक डाटा जुटाने के लिए कैसे सर्वेक्षण को अंजाम दिया जाना चाहिए ताकि सटीक आंकड़े सामने आएं और संबंधित विभागों को नीति निर्धारण के लिए मदद मिल सके. मीडिया से बातचीत में नेशनल सैंपल सर्वे की महानिदेशक गीता सिंह राठौड़ ने कहा, आगामी दिनों में नया सर्वेक्षण शिक्षा पर होने जा रहा है. जिसमें यह जानकारी जुटाई जाएगी कि देश के परिवार बच्चों की शिक्षा पर कितनी राशि कैसे खर्च करते हैं. इस मौके पर उप महानिदेशक (क्षेत्रीय कार्यालय) डॉ हंसराज यादव और उत्तर अंचल कार्यालय के उप महानिदेशक डॉ हरदीप सिंह चोपड़ा भी मौजूद रहे.

किस मद में कितना खर्च करते हैं परिजनः उन्होंने बताया कि इसके तहत हॉस्टल, शिक्षा, ट्रांसपोर्टेशन, कोचिंग, भोजन और ट्यूशन पर खर्च को शामिल किया जाएगा. इसे लेकर आज जयपुर में देशभर के प्रशिक्षकों को ट्रैनिंग दी गई है. उन्होंने बताया कि यह पूरा डाटा टैबलेट में दर्ज किया जाएगा. ताकि प्रोसेस करने में आसानी हो. इस दौरान संवाद के जरिए यह बताया गया कि सर्वेक्षण के लिए किस तरह पद्धति अपनाई जाए और क्या-क्या सवाल पूछे जाएं. ताकि सटीक आंकड़े सामने आ सके.

केंद्रीय शिक्षा विभाग को नीति बनाने में मिलेगी मददः उन्होंने बताया कि सर्वेक्षण में शिक्षा पर होने वाले खर्च का डाटा सामने आने पर शिक्षा मंत्रालय इस डाटा के आधार पर देश की शिक्षा व्यवस्था को लेकर अपनी नीतियां निर्धारित करेगा. कहां ज्यादा ध्यान देने की दरकार है. शिक्षा से वंचितों तक कैसे शिक्षा पहुंचाई जाए. यह सभी नीतियां इस सर्वेक्षण के आंकड़ों के आधार पर तय की जाएगी. सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के प्राइवेट कोचिंग पर खर्च और निजी स्कूलों के बच्चों के कोचिंग पर खर्च का आंकड़ा भी इस रिपोर्ट में शामिल किया जाएगा. इसके आधार पर शिक्षा विभाग अपनी पॉलिसी बनाएगा.

गांव से लेकर शहरों तक किया जाएगा सर्वेः सुनीता भास्कर ने कहा, राष्ट्रीय सांख्यिकी विभाग सालभर में विभिन्न मुद्दों पर सर्वे करता है. जिनके आधार पर संबंधित मंत्रालय आमजन को फायदा पहुंचाने के लिए अपनी नीतियों का निर्धारण करते हैं. अब देशभर में शिक्षा के खर्च को लेकर सर्वे किया जाएगा. जिससे पहले देशभर के अधिकारियों को बुलाकर आज जयपुर में ट्रैनिंग दी गई है. ये अधिकारी अपने कार्यालयों में जाकर अन्य कर्मचारियों को ट्रैनिंग देंगे. इसके बाद चयनित गांवों, कस्बों और शहरों में सर्वे कर जानकारी जुटाई जाएगी.

शिक्षा की गुणवत्ता के आंकड़े आएंगे सामनेः कार्यक्रम की अध्यक्षता सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सचिव डॉ सौरभ गर्ग ने की. उन्होंने कहा कि शिक्षा पर व्यापक मॉड्यूलर सर्वेक्षण के निष्कर्ष से शिक्षा तक पहुंच, शिक्षा की गुणवत्ता और सरकारी पहलों की प्रभावशीलता में असमानताओं के बारे में व्यापक जानकारी जुटाई जाएगी. जो शिक्षा के क्षेत्र में नीति-निर्माण में अहम साबित होगी. वहीं, गीता सिंह राठौड़ ने अपने संबोधन में कहा कि सर्वे के आंकड़े शैक्षिक बुनियादी ढांचे, डिजिटल अधिगम के अवसरों और नीति सुधारों में श्रेष्ठता के लिए साक्ष्य आधारित निर्णय लेने में सहायक सिद्ध होंगे.

प्रॉपर्टी डीलर की हत्या करने वाला गिरफ्तार:वारदात के बाद से फरार था, अलग-अलग जगह पर काट रहा था फरारी



24 न्यूज अपडेट

जोधपुर में प्रॉपर्टी डीलर की हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। हत्या से पहले आरोपी ने मृतक के साथ पार्टी की थी। मामला जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट की कुड़ी हाउसिंग बोर्ड थाना का है।

मामले में आरोपी मुकेश कुमार हुड्डा (23) पुत्र भैरूलाल हुड्डा जाट निवासी रामदेव नगर आमला पुलिस थाना फलोदी को गिरफ्तार किया गया है। बता दे कि 20 मार्च की रात को झालामंड क्षेत्र में प्रॉपर्टी डीलर चंदन सिंह की हत्या कर दी गई थी।

हत्या करने से पहले आरोपियों ने चंदन सिंह के साथ बैठकर पार्टी भी की थी। बाद में मोबाइल देने के बहाने चंदन सिंह को घर से बाहर बुलाकर कुछ दूरी पर स्थित मोती मार्केट के बाहर चाकूनुमा हथियार से वार कर हत्या कर दी थी। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे।

प्रदेश की एकमात्र हाई सिक्योरिटी जेल में मोबाइल होंगे बेअसर, नई तकनीक के जैमर से सुरक्षा होगी पुख्ता



24 न्यूज अपडेट

अजमेरः प्रदेश की एकमात्र हाई सिक्योरिटी जेल में कैद हार्डकोर अपराधियों का बाहरी नेटवर्क तोड़ने के उद्देश्य से नई तकनीक के जैमर जेल में लगाए जाएंगे. इसके बाद जेल के भीतर ही नहीं, जेल के बाहरी क्षेत्र में भी मोबाइल की सिम को जैमर जाम कर देगा. बुधवार को एडीजी जेल रूपेंद्र सिंह ने हाई सिक्योरिटी जेल में सर्च अभियान चलाया. हालांकि सर्च में जेल में से कोई आपत्तिजनक वस्तु हाथ नहीं लगी. उन्होंने कहा कि जेलों की सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं. एडीजी जेल रूपेंद्र सिंह ने बताया कि जेल में बुधवार को सर्च ऑपरेशन के लिए पांच अलग-अलग टीम में बनाई गई. पांचों टीमों ने जेल के भीतर, बाहरी परिसर और कैदियों के सामान की बारीकी से छानबीन की. लेकिन कोई संदिग्ध और आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली. बाद में जेल अधिकारियों से हाई सिक्योरिटी जेल की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई. साथ ही उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए. एडीजे जेल रूपेंद्र सिंह ने एक सवाल के जवाब में कहा कि जेल स्टाफ की भूमिका पर लगातार नजर रखी जा रही है. यदि कोई जेल प्रहरी, होमगार्ड, आरएसएसी का जवान, मेडिकल से जुड़ा हुआ कोई व्यक्ति या अन्य कोई सिविलियन जेल में संदिग्ध वस्तु ले जाते हुए पकड़ा गया, तो उसके खिलाफ फौजदारी मुकदमा दर्ज होगा. वहीं विभागीय जांच भी होगी. उन्होंने बताया कि इस तरह के मामले में कुछ जेलकर्मियों की नौकरी तक चली गई है. जेल की सुरक्षा को लेकर कड़ी निगरानी रखी जा रही है.

नई तकनीक का लगेगा जैमरः एडीजी ने बताया कि हाई सिक्योरिटी जेल में नई तकनीक के जैमर लगाए जाएंगे. विगत 3 माह पहले ही जैमर के लिए टेंडर हो चुका है. वर्क आर्डर दिया जा चुका है. उन्होंने बताया कि नई तकनीक के जैमर जेल के भीतर और बाहरी परिसर में मोबाइल के नेटवर्क को जाम कर देगा. इससे जेल की सुरक्षा मजबूत होगी. गौरतलब है कि प्रदेश की एकमात्र हाई सिक्योरिटी जेल में कई बार मोबाइल मिलने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं. ऐसे मामलों में जेल प्रहरी की भूमिका सामने आने के बाद जेल प्रशासन सख्त हो गया. यही वजह है कि अब हाई सिक्योरिटी जेल में नई तकनीक का जैमर लगाया जा रहा है.

रीट परीक्षा 2022: 17 अप्रैल तक ले सकते हैं ओएमआर शीट की प्रति, इसके बाद कर दी जाएंगी नष्ट



24 न्यूज अपडेट

अजमेरः राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की रीट परीक्षा 2022 में सम्मिलित हुए अभ्यर्थी 17 अप्रैल तक मूल ओएमआर शीट की प्रति के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. फिलहाल बोर्ड के पास अभ्यर्थियों की ओएमआर शीट सुरक्षित है. आवेदनकर्ताओं को बोर्ड ओएमआर शीट की प्रति देने बाद में ओएमआर शीट के रिकॉर्ड को नष्ट करने की कार्रवाई करेगा.

बोर्ड के सचिव और रीट परीक्षा के समन्वयक कैलाश चंद्र शर्मा ने बताया कि रीट परीक्षा 2022 के अभ्यर्थी 300 रुपए शुल्क पोस्टल आर्डर को रजिस्टर्ड डाक से बोर्ड को भेज सकते हैं. इसके अलावा अभ्यर्थी खुद भी बोर्ड कार्यालय आकर पोस्टल आर्डर जमा करवा सकता है. शर्मा ने बताया कि बोर्ड ने रीट परीक्षा 2022 के अभ्यर्थियों की मूल ओएमआर शीट की प्रति प्राप्त करने के लिए 17 अप्रैल निर्धारित की गई है. इस दौरान अभ्यर्थी ओएमआर शीट की प्रति अपने के लिए आवेदन कर सकते हैं. 17 अप्रैल के बाद किसी भी आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जाएगा.

8 लाख से अधिक अभ्यर्थी हुए थे सफलः उन्होंने बताया कि रीट परीक्षा 2022 में करीब 8 लाख से अधिक अभ्यर्थी सफल हुए थे. जबकि परीक्षा में लेवल वन में 3 लाख 20 हजार 14 अभ्यार्थी पंजीकृत थे. इनमें 2 लाख 3 हजार 609 अभ्यर्थी परीक्षा में सफल हुए थे. वहीं लेवल 2 में 11 लाख 55 हजार 904 अभ्यर्थी पंजिकृत थे. इनमें 6 लाख 3 हजार 228 अभ्यर्थी परीक्षा में सफल घोषित किए गए थे. इस परीक्षा के 2 वर्ष बाद राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने रीट परीक्षा 2024 भी आयोजित करवा चुका है. बोर्ड परीक्षा परिणाम की प्रक्रिया शुरू करने से पहले उत्तर कुंजियां पर मिली आपत्तियों के निस्तारण में जुटा हुआ है.

जयपुर कलेक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी-200 कमरों को खाली करवाकर अधिकारियों और कर्मचारियों को बाहर निकाला



24 न्यूज अपडेट

गुरुवार सुबह जयपुर कलेक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पूरे परिसर को खाली करवा दिया गया। कलेक्टर जितेंद्र कुमार सोनी की सरकारी ईमेल आईडी पर यह धमकी भरा संदेश आया, जिसकी सूचना तुरंत जयपुर पुलिस कमिश्नर को दी गई। सुबह 11:30 बजे धमकी की जानकारी मिलते ही बम स्क्वॉड, डॉग स्क्वॉड और इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (ERT) को बुलाया गया। करीब 200 कमरों को खाली करवाकर अधिकारियों और कर्मचारियों को बाहर निकाला गया। सुरक्षा एजेंसियों ने करीब 2 घंटे तक सघन तलाशी ली, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। ईमेल में लिखा था कि "जयपुर कलेक्टर ऑफिस को आईईडी पाइप बम से उड़ाया जाएगा।" धमकी देने वालों ने इसे 2-जी मामले और हिरासत में हुई एक मौत का बदला बताया और लिखा कि "हमारा लक्ष्य जन्नत देखना है।" कलेक्ट्रेट परिसर में अचानक हड़कंप मच गया। पुलिस की भारी मौजूदगी से भय का माहौल बन गया। दोपहर 2 बजे तक जांच जारी रही, और जब तक एजेंसियां क्लीयरेंस नहीं देतीं, किसी को अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गई।

वीर राणा सांगा के अपमान के विरोध में उदयपुर में 4 अप्रैल को रैली और प्रदर्शन

-सपा सांसद रामजीलाल सुमन के खिलाफ संसदीय कानून के तहत कार्रवाई की मांग
-शहर के सभी संगठनों से रैली में शामिल होने की अपील



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सपा सांसद रामजी लाल सुमन द्वारा द्वारा संसद में वीर राणा सांगा को लेकर दिए गए बयान के विरोध में शुक्रवार 4 अप्रैल को उदयपुर में जंगी प्रदर्शन किया जाएगा। सर्व समाज की ओर से यह आंदोलन किया जा रहा है जिसमें कई संगठनों के कार्यकर्ताओं की भागीदारी होगी। गुरुवार को इस संबंध में आयोजित प्रेस वार्ता में सर्व समाज के पदाधिकारियों ने यह जानकारी दी और शहर के तमाम संगठनों से इस आंदोलन में शरीक होने की अपील की। इस दौरान भरत कुमावत राष्ट्रीय संगठन मंत्री, राष्ट्रीय लोक अधिकार मंच, डॉ. गोविंद सिंह सोलंकी, अर्जुन सिंह गढ़पुरा अध्यक्ष, श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना, यशवर्धन राणावत संगठन मंत्री, मेवाड़ क्षत्रिय महासभा संस्थान, प्रवीण सिंह झाला अध्यक्ष श्री राजपुत करणी सेना, लक्ष्मण सिंह करणी सेना सदस्य आदि ने संबोधित किया। कई पदाधिकारी उपस्थित थे। संयोजक डॉ गोविन्द सिंह सोलंकी ने बताया कि शुक्रवार प्रातः दस बजे टाऊन हॉल स्थित शहीद स्मारक पर सुबह 10 बजे कार्यकर्ता एकत्र होंगे। वहां से स्वाभिमान आक्रोश रैली निकाली जाएगी जो बापू बजार होकर जिला कलेक्ट्री पर पहुंचेगी। वहां प्रदर्शन के बाद कलेक्टर के जरिए राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा जायेगा। पदाधिकारियों ने कहा कि सपा सांसद रामजी लाल सुमन के वक्तव्य के लिए संपूर्ण संसद जिम्मेदार है। इसके लिए सपा सांसद के खिलाफ संसदीय कानून के तहत विशेषाधिकार के दुरुपयोग कर राष्ट्रीय सुरक्षा को आघात पहुंचाने की धाराओं में कार्यवाही होनी चाहिए। संपूर्ण भारतवर्ष के इतिहास में सर्वाधिक गौरवशाली इतिहास मेवाड़ का रहा है। संपूर्ण मानवीय शिखर मूल्य चाहे आदर्श राजतंत्र व्यवस्था से जुड़े हो, या राज्य और राष्ट्र की सेवा में रत सेवा की विभूतियां हो, महाराणा स्वयं हो या त्याग तपस्या बलिदान स्वामी भक्ति और राष्ट्रभक्ति की बात हो मेवाड़ के ऐतिहासिक व्यक्तित्व ने अपने उज्ज्वल चरित्र को साक्षात करते हुए संपूर्ण वैश्विक उदाहरण में सर्वोपरि अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित किया है इसीलिए मेवाड़ का इतिहास सदैव से सम्माननीय, पूजनीय रहा है। पदाधिकारियों ने कहा कि केवल फौरी तौर पर माफी मांगने से काम नहीं चलेगा, जिसमें एक तरफ माफी और दूसरी तरफ यह कहा जाए कि तथ्य गलत नहीं है। सपा सांसद को इस गलती के लिए तब तक माफी नहीं किया जाएगा जब तक कि वह राणा सांगा की मूर्ति के नीचे ग्यारह बार नाक रगडकर माफी नहीं मान नहीं मांग ले।

भीलवाड़ा में पुलिस पर हमला, गाड़ियां तोड़ीं
कपड़ा फैक्ट्री के मजदूर बोनस मांग रहे थे, बात नहीं बनी तो उग्र हुए, लाठीचार्ज कर खदेड़ा



24 न्यूज अपडेट

बोनस की मांग करते हुए भीलवाड़ा की कपड़ा फैक्ट्री के मजदूर उग्र हो गए। उन्होंने फैक्ट्री में जमकर तोड़फोड़ की। पुलिस पहुंची तो उनका गुस्सा और बढ़ गया। पुलिस पर भी हमला बोल दिया। मजदूरों ने पुलिस की गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने लाठीचार्ज कर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है। मामला हमीरगढ़ (भीलवाड़ा) के चित्तौड़ रोड स्थित संगम इंडिया लिमिटेड का है।

उधर, भारतीय मजदूर संघ जिला सह मंत्री देवेंद्र वैष्णव ने कहा कि फैक्ट्री में मजदूर और मैनेजमेंट के बीच बातचीत चल रही है।

पुलिस ने 7 को हिरासत में लिया

हमीरगढ़ थाना प्रभारी संजय गुर्जर ने बताया- संगम इंडिया लिमिटेड में तोड़फोड़ की सूचना मिली थी। हम वहां पहुंचे तो हमारी गाड़ी पर भी पत्थर फेंके और तोड़फोड़ की। राजकार्य में बाधा का मामला दर्ज कर 7 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

मांगों पर सहमति नहीं बनी तो धरने पर बैठे

संगम इंडिया लिमिटेड में कपड़ा बनता है। यहां 150 से 200 मजदूर काम करते हैं। बताया जा रहा है कि यहां के कर्मचारी दीपावली से बोनस की मांग कर रहे हैं। आरोप है कि इनकी मांगों पर फैक्ट्री प्रबंधन ध्यान नहीं दे रहा है। इसी को लेकर कर्मचारी सुबह करीब 10 बजे धरने पर बैठ गए।

मांगों पर सहमति नहीं बनी तो हंगामा शुरू हुआ

फैक्ट्री प्रबंधन से बात भी हुई। मांगों पर सहमति नहीं बनी तो श्रमिक उग्र हो गए। कर्मचारियों ने फैक्ट्री में तोड़फोड़ शुरू कर दी। सूचना मिलने पर हमीरगढ़ थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस को देख भीड़ और उग्र हो गई। पुलिस पर भी पथराव शुरू कर दिया।

मजदूर संघ के नेता बोले- मजदूरों को पैसा नहीं मिल रहा है

भारतीय मजदूर संघ जिला सह मंत्री देवेंद्र वैष्णव ने कहा- मजदूरों में बोनस और हाजिरी को लेकर गुस्सा है। मजदूरों को पूरा पैसा नहीं दिया जा रहा है। कई बार बातचीत करने के बाद भी सहमति नहीं बन पाई है। जो मांग रखी गई है, उसे नहीं मानी जा रही है। इसी के चलते आज माहौल खराब हुआ है। इसके बाद सभी श्रमिक धरने पर बैठ गए।

मजदूर बोनस के साथ उपस्थिति भत्ता देने की मांग कर रहे थे। कुछ मजदूरों को बोनस और भत्ता दे दिया था, लेकिन बाकी के साथ भेदभाव किया गया।

बण्डोली में महाराणा प्रताप के समाधि स्थल पर स्मारक व स्टैच्यू ऑफ स्वाधीनता का निर्माण होः सांसद मन्नालाल रावत

-सांसद डॉ रावत ने संसद में नियम 377 के अधीन सूचना में रखी मांग
-स्वदेश दर्शन योजना के तहत पर्यटन दृष्टिकोण से विकास की मांग



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सांसद डॉ मन्नालाल रावत ने राजस्व ग्राम बण्डोली में महाराणा प्रताप के समाधि स्थल पर भव्य स्मारक का निर्माण करवाने तथा स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत क्षेत्र में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की तर्ज पर स्टैच्यू ऑफ स्वाधीनता बनाने एवं क्षेत्र में पर्यटन दृष्टिकोण से अन्य आधारभूत संरचनाओं का विकास करने को लेकर लोकसभा में मांग की। सांसद डॉ रावत ने नियम 377 के अधीन सूचना के तहत संसद में बताया कि प्रातः स्मरणीय महाराणा प्रताप हिन्दुआ सूरज भारतीय इतिहास के एक महान नायक हैं, जिन्होंने सामाजिक समरसता के साथ-साथ विदेशी आक्रांताओं से आजीवन संघर्ष किया। अपने जीवन में उन्होंने विश्व प्रसिद्ध हल्दीघाटी का युद्ध लड़ा और अनवरत संघर्ष करते हुए मुगलों की अधीनता कभी स्वीकार नहीं की। यह एक बड़ी जीत थी, जिसने अपनी मातृभूमि की रक्षा, आन-बान और शान के मूल्यों को जीवित किया, जो इस कालखंड में भी भारत की अस्मिता के प्रतीक के रूप में विद्यमान है। अपने जीवनकाल में उन्होंने जनजाति बहुल क्षेत्र चावण्ड में राजधानी बनाई और शासन में परम वैभव के प्रयास किए। उन्होंने अपना अंतिम समय इसी स्थान पर व्यतीत किया और देहवासन हुआ। सांसद ने बताया कि राजस्व ग्राम बण्डोली में महाराणा प्रताप का समाधि स्थल स्थित है। वे एक महान नायक हैं, जिनके जीवन मूल्य पूरे विश्व में सनातन धर्म, संस्कृति और परंपरा के अनुयायियों के लिए अनुकरणीय हैं। सर्व समाज की इच्छा है कि उनके समाधि स्थल पर एक भव्य स्मारक का निर्माण किया जाए। इसके लिए उन्होंने भारत सरकार से स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत क्षेत्र में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की तर्ज पर स्टैच्यू ऑफ स्वाधीनता बनाने एवं क्षेत्र में पर्यटन दृष्टिकोण से अन्य आधारभूत संरचनाओं का विकास करने की मांग की है।

प्रजापति समाज की कुलदेवी मंदिर पर 23वां पाटोत्सव संपन्न



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। ग्राम पंचायत दरौली स्थित प्रजापति समाज की कुलदेवी श्री यादे देवी मंदिर का 23वां पाटोत्सव गुरुवार को उत्साहपूर्वक मनाया गया। मुख्य अतिथि वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी और अध्यक्षता मेवाड़ चौखला के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मांगीलाल प्रजापत इंटाली ने की। विधायक डांगी ने मेले का उद्घाटन किया और प्रजापति समाज की ईमानदारी की सराहना करते हुए मंदिर परिसर में इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण की घोषणा की। चौखला महामंत्री लक्ष्मीलाल प्रजापत सांगवा ने 23 वर्षों से जारी पाटोत्सव की परंपरा की जानकारी दी। कार्यक्रम में राष्ट्रीय कुम्हार महासभा के प्रदेशाध्यक्ष मोडीलाल सेम्बारा, वागड़-मेवाड़ प्रजापति समाज संस्थान के अध्यक्ष डूंगरलाल प्रजापति सराडा, पंचायत समिति सदस्य लच्छीराम डांगी, सरपंच प्रतिनिधि रोडीलाल डांगी, लैम्पस अध्यक्ष सुखलाल डांगी, संयुक्त महामंत्री डीसी प्रजापत बिठोली, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रेमलाल प्रजापत, पूर्व अध्यक्ष रूपलाल प्रजापत साकरोदा, देवीलाल प्रजापत सराय, भगवान प्रजापत, सचिव प्रकाश प्रजापत, सहसचिव कालू प्रजापत, भामाशाह रामलाल प्रजापत दरौली, डीसी प्रजापत विठ्ठौली, दलाजी प्रजापत इंटाली, गंगाराम प्रजापत सराय, मांगीलाल प्रजापत सांगवा, उदयलाल प्रजापत महाराज की खेडी, शंकरलाल प्रजापत बागथल, सोहनलाल प्रजापत सराय, उंकार प्रजापत दरौली, चुन्नीलाल प्रजापत घासा, बाबूलाल प्रजापत धोली मगरी, रमेश प्रजापत विठ्ठौली, सोहनलाल प्रजापत विठ्ठौली, वालजी प्रजापत, शंकरलाल प्रजापत नउवा, नाथूलाल प्रजापत भैंसडा, धनराज प्रजापत सराय, भैरूलाल प्रजापत नवानियां, केसूलाल प्रजापत माल की टूस, गोवर्धनलाल प्रजापत शिशवी, नारायणलाल प्रजापत साकरोदा, मदन प्रजापत साकरोदा सहित समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। संयुक्त महामंत्री डीसी प्रजापत बिठोली ने बताया कि ध्वजा बदलने की सबसे ऊंची बोली रूपलाल प्रजापत ने 15,000 रुपये लगाकर जीती। श्रेयेश्वर महादेव मंदिर पर लक्ष्मीलाल प्रजापत महाराज की खेडी, भगवान श्री गणेश मंदिर पर अंबालाल प्रजापत नवानियां, हनुमानजी मंदिर पर प्रकाश प्रजापत भटेवर ने ध्वजा बदली। महाआरती किशन प्रजापत उंकारजी बीडा ने की, जबकि हवन का अवसर पन्नालाल भटेवर को प्राप्त हुआ। समारोह में शिक्षा और सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। भामाशाहों के योगदान की सराहना की गई और प्रेमलाल प्रजापत माल की टूस के सहयोग से स्नेह भोज का आयोजन हुआ।

भाजपा ने कहा, वक्फ के नाम पर आदिवासियों की बेशकीमती जमीनें हड़पी, सांसद पर लगाए ये आरोप



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुरः वक्फ संशोधन बिल के लोकसभा में पास होने के बाद डूंगरपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने खुशी जताई है. भाजपा नेताओं ने वक्फ बोर्ड के नाम पर आदिवासियों की बेशकीमती जमीनें हड़पने के आरोप लगाए और कहा कि बीएपी से सांसद राजकुमार रोत बिल का विरोध कर आदिवासियों की जमीनें हड़पने वालों का साथ दे रहे हैं. बिल में संशोधन से आदिवासियों की जमीनें बचाने का काम केंद्र सरकार ने किया है.

यहां सर्किट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए डूंगरपुर नगर परिषद के सभापति अमृत कलासुआ और भाजपा के प्रत्याशी रहे बंशीलाल कटारा ने वक्फ संशोधन बिल का समर्थन किया. सभापति कलासुआ ने कहा कि वक्फ संपत्ति के नाम पर टीएसपी क्षेत्र में भी आदिवासियों की हजारों बीघा जमीन हड़पी गई है. वक्फ ने जिस जमीन पर अंगुली रख दी. उस पर कब्जा हो गया. उन्होंने कहा कि संविधान के अनुसार शिड्यूल्ड 5 और 6 के तहत टीएसपी में किसी भी तरह की जमीन का हस्तांतरण नहीं किया जा सकता. शिड्यूल्ड 5 में आदिवासियों को सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने की शक्तियां हैं, लेकिन वक्फ के नाम पर जमीनें कब्जे में कर ली गई.

छोटे देशों जितनी भूमि है वक्फ के पासः उन्होंने कहा कि एक सर्वे में बताया गया है कि वक्फ के नाम पर सिंगापुर व म्यांमार जैसे कई छोटे देशों के पास कुल जितनी जमीन नहीं है, उससे कई गुना ज्यादा संपत्ति वक्फ के पास है. विधानसभा में भाजपा के प्रत्याशी रहे बंशीलाल कटारा ने कहा कि सरकार ने वक्फ संशोधन बिल के माध्यम से आदिवासियों की जमीनें बचाने का काम किया है, लेकिन बीएपी सांसद आदिवासियों के हित की बात नहीं कर रहे है. वे इस बिल का विरोध कर एक तरह से आदिवासियों की जमीन को वक्फ को देने की पैरवी कर रहे हैं. आदिवासी के नाम पर राजनीति करने वाले ऐसे नेताओं का दोहरा चरित्र सामने आ गया है. इस मौके पर भाजपा के नगर अध्यक्ष नयन सुथार, भंवर कटारा और ऋषि दवे समेत अन्य भाजपा नेता मौजूद थे.

राहुल चौधरी की स्मृति में फील्ड क्लब में रक्तदान शिविर कल



24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। समाजसेवी राहुल चौधरी की प्रथम पुण्यतिथि पर फील्ड क्लब की सहभागिता से रक्तदान शिविर 4 अप्रेल को सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित किया जाएगा। संयोजक नरेश चौधरी ने बताया कि इसमें विभिन्न समाजजन व संगठनों के लोग भाग लेंगे साथ ही गणमान्यजनों की भी मौजूदगी रहेगी। कीर्तिशेष राहुल चौधरी के प्रथम रक्तदान शिविर को लेकर पिता राजेश चौधरी माता सुमन चौधरी चौधरी शारदा दिनेश आशा मालवीया रेखा महेंद्र चौधरी शेफाली उमेश कलवार आँचल चौधरी परिवार के सभी सदस्यों की अपील यही है कि इस दिन अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान करने के लिए अवश्य पधारें। आपको बता दें कि समाजसेवी राहुल की स्मृति में यह शिविर आयोजित किया जा रहा है। शिविर की तैयारियों को आज अंतिम रूप दिया गया।

अखिल भारतीय ब्राह्मण परिषद की ओर से ब्राह्मण जोड़ो अभियान के पोस्टर का विमोचन



24 न्यूज अपडेट

गुरुवार को लेक सिटी प्रेस क्लब में किया गया। युवा प्रदेश अध्यक्ष विजय जोशी ने बताया कि रविवार को 11:00 बजे भोज नाथ महादेव मंदिर परिसर दुर्गा नर्सरी में सदस्यता के लिए अपना फार्म भरे जाएंगे। साथ ही सदस्यता अभियान का विस्तार किया जाएगा। इस दौरान संगठन का फॉर्म भरकर अपना एक आईडी कार्ड बनवाना होगा जिसके लिए उसको 200 का शुल्क देना होगा। इस कार्ड से कुछ चयनित मेडिकल स्टोर एवं डायग्नोसिस सेंटर पर जांचों पर डिस्काउंट भी दिया जाएगा। यह सुविधा सिर्फ संगठन का कार्ड बताने पर ही मिलेगी । कार्ड की वैधता 2 वर्ष रहेगी । इसी कार्ड से रोजगार और शिक्षा क्षेत्र में भी गुणवत्ता का लाभ ले पाएंगे। संभागीय अध्यक्ष पंकज सुखवाल ने बताया कि ब्राह्मण समाज के उत्थान के लिए लगातार अखिल भारतीय ब्राह्मण परिषद प्रयासरत हैं। ऐसे में लगातार ब्राह्मणों पर हो रहे कुठाराघात को रोकने के प्रयास संगठन की ओर से पुरजोर तरीके से किए जाएंगे। साथ ही थाने और अन्य जगहों पर ब्राह्मणों के साथ हो रही बदतमीजी और एसटीएससी कानून का गलत उपयोग ना हो इसके लिए भी प्रयास किए जाएंगे। इस दौरान जिला महासचिव हेमंत रावल, युवा जिला अध्यक्ष प्रदीप पानेरी, प्रदेश उपाध्यक्ष केशव मोड, जिला कोषाध्यक्ष मिहिर जानी, शहर अध्यक्ष गौतम शर्मा आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विद्यापीठः 20वां दीक्षांत समारोह 11 अप्रैल को, पीएचडी उपाधि व गोल्ड मेडल होंगे वितरित, श्वेत परिधान अनिवार्य



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 03 अप्रैल – जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय द्वारा 11 अप्रैल को 20वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाएगा। कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने जानकारी दी कि इस समारोह में 16 अप्रैल 2023 से 08 अप्रैल 2025 तक पीएचडी पूरी करने वाले शोधार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी। इसके साथ ही, वर्ष 2023 और 2024 की स्नातक व स्नातकोत्तर परीक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को उपाधि एवं स्वर्ण पदक से सम्मानित किया जाएगा। समारोह में भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थियों को 08 अप्रैल तक निर्धारित फॉर्म भरना अनिवार्य होगा। साथ ही, उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए श्वेत परिधान अनिवार्य रहेगा— पुरुषों के लिए सफेद कुर्ता-पायजामा और छात्राओं के लिए सफेद सलवार-कुर्ता या साड़ी पहनना आवश्यक होगा।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।